जीणी जीणी उड़े रे गुलाल नाथजी रा मेला में

जीणी जीणी उड़े रे गुलाल,
नाथजी रा मेला में,
अरे जीणी जीणी उडे रे गुलाल,
पीरजी रे मेला में,
मेला मे हो मेला मे,
मेला मे हो मेला में,
नाथजी रो करो श्रृंगार,
पीरजी रा मेला मे,
जीणी जीणी उडे रे गुलाल,
नाथजी रे मेला में।bd।

पंचामृत सु अभिषेक करावो,
पंचामृत सु अभिषेक करावो,
रंग रंगीला वस्त्र पहनावो,
रंग रंगीला वस्त्र पहनावो,
गले पहनाओ फुल माल,
नाथजी रे मेला में,
मेला में हो मेला में,
जीणी जीणी उडे रे गुलाल,
नाथजी रे मेला में।bd।

सोवन मुकट सिर पर बंधावो,
हाथा पर भुजबंध बंधावो,
तिलक लगावो ज्योरे भाल,
नाथजी रे मेला में,
मेला में हो मेला में,
जीणी जीणी उडे रे गुलाल,
नाथजी रे मेला में।bd।

राज सुरजी लेप लगावो,
काना मे कुण्डल पेरावो,
त्रिशूल देरावो ज्योरे हाथ,
नाथजी रे मेला में,
मेला में हो मेला में,
जीणी जीणी उडे रे गुलाल,
नाथजी रे मेला में।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

शिवलिंग पे थे नाग चढावो,
बिल पतर सु सिणगार करावो,
गुलाल उडावो भरपुर,
नाथजी रे मेला में,
मेला में हो मेला में,
जीणी जीणी उडे रे गुलाल,
नाथजी रे मेला में lbdl

धुप दीप सु आरती करावो,
सब मिलकर प्रेम से गावो,
गावे है भक्त किशोर,
पीरजी रा मेला मे,
जीणी जीणी उडे रे गुलाल,
नाथजी रे मेला में lbdl

जीणी जीणी उड़े रे गुलाल,
नाथजी रा मेला में,
अरे जीणी जीणी उडे रे गुलाल,
पीरजी रे मेला में,
मेला मे हो मेला मे,
मेला मे हो मेला में,
नाथजी रो करो श्रृंगार,
पीरजी रा मेला मे,
जीणी जीणी उडे रे गुलाल,
नाथजी रे मेला में lbdl

प्रेषक – मदनसिंह जोरावत बागरा
9916300738

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com